मूल्य - 5 रुपये

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारांशु

हिन्दी मासिक

वर्ष - 1 | अंक - 1 | पृ.सं. - 16

अक्टूबर, 2011

डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी, नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के आशीर्वाद से

संपादक :- कल्पना गोयल

मुख्य संरक्षक :- श्री एन.पी. भार्गव (दिल्ली)

-: नि:शुल्क सेवाएँ, अद्यावधि :-

मोतियाबिन्द ऑपरेशन - 375 निराश्रय वृद्धों को खाद्य सहायता - 125
चश्मे वितरित - 300 विधवाओं को नकद राशि सहायता - 023

"मोतियाबिन्द व अन्य नेत्र व्याधियों से ग्रस्त असहाय, निर्धन, ग्रामीण, दूरस्थ व आदिवासी क्षेत्रों में निवास करने वाले भाई-बहनों की सर्वथा नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा-सेवा में समर्पित 'तारा संस्थान' की मानवीय सेवा भावना के मूर्त रूप .."

तारा संस्थान

236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com, tara_sansthan@rediffmail.com Website : www.tarasociety.org

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक कल्पना गोयल के लिए न्यू ट्रेक प्रेस, उदयपुर में मुद्रित

निर्वाणी पीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर डॉ. कैलाश 'मानव'

श्री बोहरा गणेशाय नम:

'तारा संस्थान' ने 'नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर के मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक डॉ. कैलाश 'मानव' से उदयपुर वासियों के आराध्य श्री बोहरा गणेश जी मन्दिर में आशीर्वचन प्राप्त कर 11 जून 2011 को संस्थापक एवम् अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल के नेतृत्व में 'तारा परिवार के लगभग 50 सदस्यों सहित अपने स्वतन्त्र नये भवन 236, (डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन) सेक्टर 6, हिरण मगरी, उदयपुर से सेवा - प्रकल्प संचालित करने हेतु प्रयाण किया।

तारा संस्थान को मेरा आशीर्वाद.....

मेरी सुपुत्री श्रीमती कल्पना गोयल - जो बचपन से ही नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट) के माध्यम से मानवीय सेवा कार्यों में मेरा सहयोग करती रही हैं, ने पीड़ित मानवता की सेवा में अपनी भावनाओं को स्वतन्त्र मूर्त्तरूप देने के संकल्प से 'तारा संस्थान' की स्थापना की है। 'तारा संस्थान' द्वारा निर्धनों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन, निराश्रय बुजुर्गों को खाद्य - सामग्री सहायता और असहाय विधवा महिलाओं को नकद सहायता राशि आदि सेवा कार्य नि:शुल्क सम्पादित किये जा रहे हैं।

मैं अपने शुभाशीर्वाद और हार्दिक शुमकामनाएँ देते हुए प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि 'तारा संस्थान' पीड़ित मानवता की सेवा में कीर्तिमान स्थापित करे।

मैं सभी करुणाशील सेवा-भावी दानदाताओं से निवेदन करता हूँ वे उदारमन और मुक्तहस्त हो कर तारा संस्थान के सभी सेवा - प्रकल्पों में दान सहयोग करें।

शुभाशीर्वाद और सद्भावनाओं के साथ.....

निर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
डॉ. कैलाश 'मानव'
(पद्मश्री अलंकृत)
मैनेजिंग ट्रस्टी एवं संस्थापक
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

डॉ. कैलाश 'मानव' एवं श्रीमती कल्पना गोयल
श्री बोहरा गणेश जी मन्दिर में प्रार्थना करते हुए

यह ऐसे संभव हुआ.....

उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान द्वारा निर्धन-असहाय- पीड़ित भाई-बहनों की विविध प्रकार से की जा रही सेवा की मैं अपने बचपन से ही सक्रिय रूप से निरन्तर साक्षी रही हूँ, जब 13-14 वर्ष की आयु में ही मैं हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती गरीब रोगियों के परिजनों को भोजन उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से पास-पड़ोस और मोहल्लेवासियों के घरों से एक-एक मुट्ठी आटा माँग कर लाती थी। निर्धन, आदिवासी, सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले परिवारों में नि:शुल्क अन्न-वस्त्र-औषधि वितरण शिविरों में अपनी सक्रिय भागीदारी के अनुभवों से गरीबी के कारण असहाय भाई-बहनों और बच्चों द्वारा भोगी जा रही पीड़ाओं के अनेक दु:खद एवं हृदय विदारक रूप देखना भी मेरे नसीब में रहा है। करुणा से आर्द्र मन और संसाधनों के अभाव में कुछ नहीं कर पाने की विवशता और पीड़ा के भाव, बस.....! ऐसे ही समय बीतता गया और पोलियो-पीड़ित विकलांग बन्धुओं की तन-मन-धन से यथा-शक्य सेवा के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं से भरे दर्द और पीड़ा के अहसास अधिक ही घनीभूत होते गये और मेरा मन कुछ करने को छटपटाता रहा ! आखिर प्रकाश की किरण ने सेवा-पथ की ओर शुभ संकेत कर ही दिया।

श्री जमना बा लोहार की कर्त्तव्यनिष्ठा और सेवा-भाव से मैं सदा ही अभिभूत रही हूँ। वे भी, उद्भव काल से ही, नारायण सेवा संस्थान के सेवा-प्रकल्पों के साथ जुड़े हुए हैं। मैंने कभी उन्हें निष्क्रिय बैठे हुए नहीं देखा। सदैव किसी न किसी कार्य में व्यस्तता और सामना होने पर स्नेह-सम्मान से भरा अभिवादन ! सामान्य औपचारिक कुशल-क्षेम पूछना,.... आदि- आदि। एक दिन पता चला कि कार्य करते हुए उनके हाथ में गंभीर चोट लगी है, गहरा घाव है। तत्काल जाकर देखा तो पाया कि आँख में मोतियाबिन्द (Cataract) की वजह से उन्हें दिखाई देना कम हो गया है। उस समय तो उन्हें यथा सुलभ चिकित्सा-सेवा उपलब्ध करवाई और बाद में उन्हें मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करवाने का परामर्श दिया। आँसुओं से भर आई 70 वर्षीय श्री जमना बा की आँखों ने जो कुछ कहा, उसने मुझे अन्तर्मन तक झकझोर दिया। वे विगत 3-4 वर्षों से मोतियाबिन्द के ऑपरेशन के लिए प्रयासरत हैं, पर रुपयों की व्यवस्था नहीं हो पा रही है और, अब तो-आर्थिक अभाव के कारण, उन्होंने ऑपरेशन की आशा और संभावना भी छोड़ दी है। उनका उत्तर सुनकर मुझे समवेत रूप से पीड़ा, करुणा, बेबसी और शर्म का अहसास हुआ। मैंने मोतिया बिन्द के ऑपरेशन पर होने वाले अनुमानित खर्च की जानकारी प्राप्त की और 8000/- (आठ हजार) रुपये श्री जमना बा को दिये। उन्होंने अपना सफल ऑपरेशन करवाया। ऑपरेशन के बाद उनके चेहरे पर कृतज्ञता, सन्तोष, अनुग्रहबोध और विनम्रता के भाव एक साथ देख कर मुझे जो आत्मतोष और कर्त्तव्यबोध हुआ उसका, बिना अनुभव किये, आप शायद अनुमान नहीं कर पाएँ। भावविह्वल कर देने वाले उस अनुभव की प्रेरणा से मैंने समान विचारशील मित्रों, सहयोगियों और परिजनों से गहन विमर्श, परामर्श किया और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि आम आदमी को होने वाली सामान्य रोगजन्य पीड़ाओं से राहत दिलाने में कोई बहुत बड़ा खर्च नहीं होता और थोड़े से प्रयास, दान-सहयोग से बढ़ती उम्र के साथ सामान्यतया होने वाले मोतियाबिन्द के कष्ट से लोगों को राहत पहुँचाई जा सकती है। इस निष्कर्ष का परिणाम है - **'तारा संस्थान'**

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष
तारा संस्थान, उदयपुर

तारा संस्थान के सेवा प्रकल्प - मोतियाबिन्द ऑपरेशन

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक हैं, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं हैं एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्में, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

शिविर दृश्य

(मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेशन)

झाड़ोल शिविर - दिनांक : 27 फरवरी, 2011 (रविवार) स्थान : राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल, झाड़ोल (फ.)
सौजन्यकर्त्ता : नन्द गंगा मानव सेवा समिति, उदयपुर
कुल ओ.पी.डी. - 138, ऑपरेशन के लिए चयनित - 26 जाँचकर्त्ता चिकित्सक - डॉ. पी.पी. जैन, उदयपुर
ऑपरेशन - डॉ. विवेक देवस्थली, देवस्थली हॉस्पीटल, भीलवाड़ा

मंचासीन, बाएँ से - डॉ.पी.पी जैन, डॉ. रणजीत,
श्री कन्हैयालाल खराड़ी (प्रधान), श्री सुरेश पण्ड्या, श्री सुनील गोयल

शिविर में रोगियों का पंजीकरण

चावण्ड शिविर - दिनांक : 10 अप्रैल, 2011 (रविवार) स्थान : राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चावण्ड, सराड़ा, उदयपुर
सौजन्यकर्त्ता : तारा संस्थान, उदयपुर
कुल ओ.पी.डी. - 150, ऑपरेशन के लिए चयनित - 52 जाँचकर्त्ता चिकित्सक - डॉ. पी.पी. जैन, उदयपुर
ऑपरेशन - डॉ. विवेक देवस्थली, देवस्थली हॉस्पीटल, भीलवाड़ा

बाएँ से - श्री डी.आर. श्रीमाली, श्रीमती बसन्ती देवी मीणा (विधायक सराड़ा)
श्री नाथूलाल पटेल, श्री दीपेश मित्तल

जाँच की प्रतीक्षा में रोगी बन्धु

सोनीपत शिविर – दिनांक : 17 अप्रैल, 2011 (रविवार) स्थान : अशोक नगर,कच्चे क्वार्टर्स, सोनीपत (हरियाणा)
सौजन्यकर्त्ता : नेत्रदान देहदान को समर्पित दृष्टि सेवा समिति, सोनीपत
कुल ओ.पी.डी. – 263, ऑपरेशन के लिए चयनित – 22 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. पी.पी. जैन, उदयपुर
ऑपरेशन – डॉक्टर, महावीर इन्टरनेशनल, महावीर इन्टरनेशनल हॉस्पीटल, दिल्ली

मंचासीन दाएँ से (द्वितीय) श्री सुरेश कुमार एवं (तृतीय) श्री नरेन्द्र भूटानी व अन्य सम्मानित अतिथि

पंजीकरण करवाते रोगी बन्धु

भीलवाड़ा शिविर – दिनांक : 22 अप्रैल, 2011 (रविवार) स्थान : रामधाम मन्दिर, भीलवाड़ा (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : तारा संस्थान, उदयपुर
कुल ओ.पी.डी. – 48, ऑपरेशन के लिए चयनित – 12 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. पी.पी. जैन, उदयपुर
ऑपरेशन – डॉ. विवेक देवस्थली, देवस्थली हॉस्पीटल, भीलवाड़ा

डॉ. विवेक देवस्थली ऑपरेशन करते हुए

डॉ. पी.पी. जैन द्वारा नेत्र की जाँच

सीकर शिविर – दिनांक : 29 मई, 2011 (रविवार) स्थान : सामुदायिक भवन, शिवसिंहपुरा हाउसिंग बोर्ड, नवलगढ़ रोड, सीकर (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती अन्नी देवी प्रजापत, सीकर
कुल ओ.पी.डी. – 148, ऑपरेशन के लिए चयनित – 38 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. पुष्पलता अग्रोईया, सीकर
ऑपरेशन – डॉ. पुष्पलता अग्रोईया, बिन्दल हॉस्पीटल, सीकर

मंचासीन अतिथि – श्री चैन सिंह आर्य,
श्री रामचन्द्र नेहरा, डॉ. पुष्पालता अग्रोईया,
श्री सोहनलाल प्रजापत, श्री नटवर लाल बिन्दल

शिविर उद्घाटन अवसर पर श्री धर्मेन्द्र भटनागर,
कलेक्टर सीकर (दाएँ) व
सौजन्यकर्त्ता – श्री सोहन लाल प्रजापत (बाएँ)

निन्दड़ शिविर – दिनांक : 08 जून, 2011 (बुधवार) स्थान : निन्दड़ धर्मशाला, निन्दड़, जयपुर
सौजन्यकर्त्ता : चित्रलेखा मानव सेवा समिति, जिला स्वास्थ्य समिति (अन्धता विवारण)
कुल ओ.पी.डी. – 150, ऑपरेशन के लिए चयनित – 22 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉक्टर्स, केलगिरी हॉस्पीटल, जयपुर
ऑपरेशन – डॉक्टर, केलगिरी हॉस्पीटल, जयपुर

रोगी की जाँच करते डॉक्टर

पंजीकरण करवाते रोगी बन्धु

अजमेर शिविर – दिनांक : 19 जून, 2011 (रविवार) स्थान : कोठारी नेत्र चिकित्सालय, अजमेर
सौजन्यकर्त्ता : तारा संस्थान, उदयपुर
कुल ओ.पी.डी. – 46, ऑपरेशन के लिए चयनित – 08 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. महेन्द्र कोठारी, अजमेर
ऑपरेशन – डॉ. महेन्द्र कोठारी, कोठारी नेत्र चिकित्सालय, अजमेर

रोगी की जाँच करते हुए डॉ. महेन्द्र कोठारी

पंजीकरण करवाते मोतियाबिन्द रोगी बन्धु

सिरसा शिविर– दिनांक : 03 जुलाई, 2011 (रविवार) स्थान : हनुमान मंदिर चेरिटेबल ट्रस्ट, अग्रसेन कॉलोनी
सौजन्यकर्त्ता : श्री हनुमान मंदिर चेरिटेबल ट्रस्ट, सिरसा
कुल ओ.पी.डी. – 150, ऑपरेशन के लिए चयनित – 24 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. पी. पी. जैन, उदयपुर
ऑपरेशन – डॉक्टर, रामहंस नेत्र चेरिटेबल हॉस्पीटल, सिरसा

डॉ. रणजीत, श्री अमीर चावला, श्री सुरेन्द्र गर्ग, श्री राम जोशी,
श्री ओम प्रकाश अरोड़ा, डॉ. योग राय एवं शिविर में पधारे हुए अतिथिगण

पंजीकरण करवाते रोगी बन्धु

धुनैला शिविर (सोहना) – दिनांक : 10 जुलाई, 2011 (रविवार) स्थान : बलवान सिंह जी की कोठी, फॉर्म हाउस, धुनैला
सौजन्यकर्त्ता : श्री बलवान सिंह जी धुनैला
कुल ओ.पी.डी. – 139, ऑपरेशन के लिए चयनित – 16 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. दीक्षित
ऑपरेशन – डॉ. टी. एन. आहुजा एवं डॉ. दीक्षित, आहुजा नेत्र चिकित्सालय, गुड़गांव

मोतियाबिन्द रोगी की जाँच करते डॉक्टर

चिकित्सा विवरण प्राप्त करते रोगी

गोगुन्दा शिविर – दिनांक : 07 अगस्त, 2011 (रविवार) स्थान : गवर्नमेण्ट सैकण्डरी स्कूल, गोगुन्दा
सौजन्यकर्त्ता : रेणु जी
कुल ओ.पी.डी. – 110, ऑपरेशन के लिए चयनित – 16 जाँचकर्त्ता चिकित्सक – डॉ. पी. पी. जैन
ऑपरेशन – नेत्र सर्जन, एम. बी. हॉस्पीटल, उदयपुर

रोगी की नेत्र जाँच करते डॉक्टर

ओपीडी काउन्टर पर पंक्ति में खड़े रोगी

मोतियाबिन्द ऑपरेशन

इन्हें भी मिली 'तारा' से नेत्र ज्योति

(निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन के पश्चात् रोगी बन्धु)

श्रीमती प्रेमवती बाई, आयु - 55
अजमेर (राज.)

श्रीमती कान्ता देवी, आयु - 56
अजमेर (राज.)

श्री हरि प्रकाश, आयु - 55
सिरसा (हरियाणा)

श्रीमती प्रभाजन कौर, आयु - 85
सिरसा (हरियाणा)

श्री रामसिंह जी
धुनैला, गुड़गांव (हरियाणा)

श्रीमती ,खातुनी जी
धुनैला, गुड़गांव (हरियाणा)

श्रीमती कमली बाई, आयु - 76
चावण्ड, उदयपुर (राज.)

श्री वल जी, आयु - 70
चावण्ड, उदयपुर (राज.)

श्रीमती काकुड़ी
झाड़ोल, उदयपुर (राज.)

श्री भेरू लाल
झाड़ोल, उदयपुर (राज.)

श्री सुभाषचन्द, आयु - 62
सिरसा (हरियाणा)

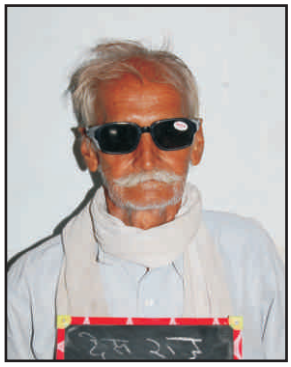

श्री देशराज, आयु - 68
सिरसा (हरियाणा)

श्रीमती ज्यानी बाई
कोटा (राज.)

श्री सुन्दर लाल
कोटा (राज.)

श्री जगदीश
फतेहाबाद (हरियाणा)

श्री बन्ती देवी
फतेहाबाद (हरियाणा)

'तारा' द्वारा अब तक 375 से अधिक मोतियाबिन्द ऑपरेशन सम्पन्न करवाए गये हैं

अहसाय बुजुर्गों को खाद्य सामग्री सहायता

चेहरों पर स्पष्ट दिखती झुर्रियाँ और आँखों की गहराइयों में झलकती असहाय अवस्था उनके जीवन संघर्षों की व्यथा का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने भी किसी की देख-भाल की होगी, किसी को सहारा दिया होगा, लेकिन .....। आज उनकी देख-भाल करते वाला कोई नहीं, यहाँ तक कि उन्हें दो-समय भरपेट भोजन भी नसीब नहीं। तारा संस्थान ने इन असहाय निर्धन, एकाकी बुजुर्ग बन्धुओं की यथा-शक्य सहायता का उपक्रम प्रारंभ किया है, जिससे इन निराश्रय बुजुर्ग बन्धुओं के लिए दो-समय भरपेट भोजन और मौसम की मार से बचने के लिए बिस्तर-कपड़े आदि की व्यवस्था सुलभ और सुनिश्चित की जा सके। इस उपक्रम के अन्तर्गत एक बुजुर्ग की सहायता पर 18000रु. (अठारह हजार रुपया) वार्षिक व्यय हो रहा है।

तारा संस्थान के सेवा-प्रकल्पों से जुड़कर जीवन के अन्तिम पड़ाव पर मानवीय सेवा सुविधा की प्रतीक्षा कर रहे कम से कम किसी एक, या अधिक, निर्धन बुजुर्ग बन्धु की देखभाल और खाद्य-सामग्री सहायता देने के सेवा-कार्य में सहभागिता हेतु आप सादर-आमन्त्रित हैं।

तारा संस्थान उन निराश्रय बुजुर्गों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करवा रहा है -

जो अतिनिर्धन एकाकी असहाय हैं, अशक्त कमजोर हो कर कोई कार्य करने में असमर्थ हैं, परिवार में कोई भी देखभाल करने वाला नहीं है, व भोजन के लिए भी दूसरों की दया पर निर्भर हैं।

'तारा संस्थान' सर्वेक्षण द्वारा ऐसे बुजुर्ग बन्धुओं की जानकारी प्राप्त करके उनके द्वार (घर) तक प्रतिमाह खाद्य - राहत सामग्री पहुँचाने की व्यवस्था करता है।

जरूरतमन्द बुजुर्गों को प्रतिमाह खाद्य - सहायता सामग्री

आटा - 10 कि.ग्रा., चावल - 1 कि.ग्रा., दालें - 1 कि.ग्रा., खाद्य तेल - 1 कि.ग्रा., शक्कर - 1 कि.ग्रा., चाय पत्ती - 250 ग्रा., मसाले - 500 ग्रा., नमक-मिर्च - 1 कि.ग्रा. व नकद राशि - 300 रु. (शाक - सब्जी के लिए)

इस योजना के अन्तर्गत चयनित जरूरतमन्द बुजुर्गों को प्रतिमाह नियमित रूप से खाद्य-सहायता सामग्री उपलब्ध होती रहे, इस दृष्टि से 'तारा संस्थान' के सेवा-साधकों और सेवाभावी ग्रामवासियों के समन्वित प्रयासों से योजना की निगरानी व्यवस्था की गई है।

खाद्य राहत सामग्री के अतिरिक्त जरूरतमन्द बुजुर्गों को कपड़े - कम्बल आदि भी वितरित किये जाते हैं, व उनके टूटे-फूटे झोपड़ों की मरम्मत और रख-रखाव के लिए भी सहायता दी जा रही है।

शास्त्रों में कहा गया है - 'अन्नदानं महादानम्'
अर्थात्, भूखे को भोजन सहायता देना सबसे बड़ा दान है।

आपसे निवेदन है कि कृपया जरूरतमन्द बुजुर्गों के लिए भोजन - सहायता प्रायोजित करते हुए उदारता पूर्वक दान दें

खाद्य - सहायता व्यय - 1500 रु. प्रतिव्यक्ति, प्रतिमाह

खाद्य सामग्री सहायता सेवा योजनान्तर्गत अब तक चयनित 125 में से ये कुछ चेहरे, जिन्हें 'तारा संस्थान' द्वारा प्रतिमाह खाद्य - सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है।

नाम - देवा भील आयु - 65
पिता का नाम - भीमा भील
पता - गांव - माना खेड़ी
ब्लॉक - डूंगला
जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

उम्र अधिक होने व कमर में फ्रेक्चर होने से काम नहीं कर पाते। हर समय बिस्तर में पड़े रहते हैं। पत्नी भी अस्वस्थ और अशक्त, कोई देखभाल करने वाला नहीं। कभी दयावश कोई कुछ दे देता है तो ठीक अन्यथा, अधिकतर समय भूखे-पेट ही...

नाम - सोवनी मेघवाल आयु - 59
पति का नाम - शंकर लाल मेघवाल
पता - गांव - भीम का खेड़ा
ब्लॉक - वल्लभनगर
जिला - उदयपुर (राज.)

पति द्वारा परित्यक्ता है। दो बच्चों के भरण-पोषण का दायित्व है। दुर्घटना में अशक्त हो गई है, कोई काम-मजदूरी नहीं कर सकती है।

नाम - फैफाली बाई गाडरी आयु-80
पति का नाम - स्व. वरदी चन्द गाडरी
पता - गांव - वरनी
तहसील - वल्लभनगर
जिला - उदयपुर(राज.)

रहने का आश्रम भी नहीं, गाँव के मन्दिर में रात गुजारती है, पुत्र भी कोई काम नहीं करता। भोजन की कोई आश्वस्त व्यवस्था नहीं।

नाम - बाबरी आयु-70
पति का नाम - सोना जी सालवी
पता - गांव - वाननी
ब्लॉक - वल्लभनगर
जिला - उदयपुर (राज.)

एक पुत्र है, गुमशुदा। आजीविका का कोई स्रोत नहीं। बड़ी कठिनाई से बुढ़ापे के दिन गुजार रही है।

नाम - भाना जी गायरी आयु-68
पिता का नाम - श्री नाना जी गायरी
पता - गांव - भीम का खेड़ा
तहसील - वल्लभनगर
जिला - उदयपुर(राज.)

बुढ़ापे में देखभाल करने वाला कोई नहीं, पत्नी भी कहाँ तक सेवा करे। आजीविका का कोई साधन - स्रोत नहीं।

नाम - रूकमणी ढोली आयु- 60
पति का नाम - स्व. काशीराम ढोली
पता - गांव - खेड़ा बस्ती
ब्लॉक - वल्लभनगर
जिला - उदयपुर (राज.)

पति का निधन 8 वर्ष पूर्व हो चुका है, पुत्र अवयस्क है। मजदूरी भी नहीं कर पाती। दो-समय भोजन जुटाना बड़ा मुश्किल है।

नाम - चम्पा मीणा आयु- 65
पति का नाम - स्व. होमाजी
पता - गांव - चोरीवाड़ा
ब्लॉक - भानडा
तहसील - खेरवाडा
जिला - उदयपुर (राज.)

पति का निधन 2 वर्ष पूर्व हो गया है। 3 पुत्र हैं, अलग रहते हैं और देखभाल नहीं करते। कोई सहारा नहीं, आँखों से कम दिखाई देता है। कमजोर और बुढ़ापे के कारण मजदूरी भी नहीं कर पाती।

नाम - कमला भील आयु-96
पिता का नाम - श्री देवा भील
पता - गांव - वाननी
तहसील - वल्लभनगर
जिला - उदयपुर(राज.)

2 पुत्र हैं, दोनों ही अविवाहित और मजदूरी करने में असमर्थ। भोजन की कोई सुविधा नहीं, भूखे पेट ही रहने को विवश। बुढ़ापे ने सर्वथा असहाय बना दिया है।

'तारा संस्थान' आपके सहयोग - सौजन्य से इन में ऐसे और चेहरे सम्मिलित करना चाहता हैं।

दान सहयोग चाहिए

एक निराश्रय बुजुर्ग - आजीवन सहायता	-	1500 रु. प्रतिमाह (जीवन पर्यन्त)
एक निराश्रय बुजुर्ग - एक वर्ष सहायता	-	18000 रु.
एक निराश्रय बुजुर्ग - 6 माह सहायता	-	9000 रु.

तारा संस्थान सेवा प्रकल्प - गौरी योजना-एक परिचय

भारतीय परिवार जिस एक धुरी पर केन्द्रित है, वह है घर की महिला, चाहे वह माँ हो या पत्नी। लेकिन, कभी कभी ऐसा संकट आता है कि यह धुरी डगमगा जाती है। पति की असमय मृत्यु, ससुराल द्वारा घर से निकाले जाने के बाद मायके द्वारा नहीं अपनाना, वृद्धावस्था, बीमारियों से ग्रसित होने पर बच्चों द्वारा तिरस्कार...

ये कुछ ऐसी परिस्थितियाँ हैं, जो एक स्त्री को असहाय अबला बना देती है।

ऐसी ही कुछ असहाय महिलाओं को सम्बल प्रदान करने के लिए एक छोटी सी सहायता देना चाहते हैं, आपकी मदद से, सद्भावना से.....

कृपया आप भी अपना दान-सहयोग प्रायोजित करें

''गौरी योजना''के अन्तर्गत एक विधवा महिला के लिए रु.1000 प्रतिमाह सहयोग राशि

तारा संस्थान से प्रतिमाह 1000 रु. सहायता पा रहीं कुछ विधवा महिलाएँ

इन्द्रा पाहुजा, आयु - 42 वर्ष
मकान नं. 709, पानी की टंकी, सेक्टर -9, सविना, उदयपुर
स्वयं एवम् एक 13 वर्षीया पुत्री के भरण पोषण का दायित्व,कोई सहारा नहीं, वैधव्य की पीड़ा और अवयस्क पुत्री की देखभाल, कष्ट भरा जीवन।

लक्ष्मी देवी, आयु - 60 वर्ष
पानेरियों की मादड़ी, जिला - उदयपुर (राज.)
एक पुत्र था, टी.बी. की बीमारी से मृत्यु हो गई, एक पुत्री (विवाहित)। आय का कोई साधन नहीं, स्वयं तथा विधवा बहू के भरण पोषण की जिम्मेदारी।

कंकु बाई, आयु - 40 वर्ष
2 पुत्र, 3 पुत्रियां, गांव - नोरा बड़ी, पोस्ट - बड़ी, जिला - उदयपुर (राज.)
लम्बी बीमारी के पश्चात् पति का 2006 में देहावसान हो गया। थोड़ी जमीन थी, पति के इलाज के लिए बेचनी पड़ी। कोई सहारा नहीं। जीवन बहुत मुश्किल से गुजर रहा है।

समता राठौड़, आयु - 36 वर्ष
मकान नं. 1567, नीमच माता मंदिर के नीचे, देवाली, जिला - उदयपुर (राज.)
2 पुत्र, 1 पुत्री (विवाहित)। किसी ने विषाक्त पदार्थ खिला दिया, जिससे 2008 में पति का निधन। स्वयं व 2 पुत्रों के भरण पोषण का भार।

निर्मला, आयु - 23 वर्ष
डांगियों का गुड़ा, पोस्ट - लोयरा, जिला - उदयपुर (राज.)
1 पुत्री (आयु - 2 वर्ष), पति द्वारा परित्यक्ता है। पीहर में रहने को विवश। लम्बा जीवन, शिशु पुत्री की परवरिश और एकाकी जीवन, कष्ट ही कष्ट।

गिरजा देवी गुर्जर, आयु - 45 वर्ष
मकान नं. 35/28, प्रभात नगर, सेक्टर - 5, हिरण मगरी, उदयपुर
1 पुत्र, 2 पुत्रियां (विवाहित)। घर परिवार में कोई सहारा नहीं। अकेला जीवन, पुत्र की परवरिश, गुजारा मुश्किल में।

शिक्षा सहायता प्रकल्प

निर्धन या निराश्रय परिवारों के प्रतिभाशाली बालक बालियाओं की शिखा में आर्थिक कारणों से उपस्थित होने वाले अवरोधों के निवारण हेतु 'तारा संस्थान' यथा संभव आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवा कर इन बच्चों की सहायता कर रहा है। आशा है, दानवीर भामाशाह 'तारा' के इस शिक्षा सहायता प्रकल्प में सहयोग हेतु आगे आएँगे।

चयनिका कुमारी (12 वर्षीया) के पिता का निधन हो चुका है। मूलतः पूर्णिया (बिहार) की रहने वाली चयनिका को आनन्द मार्ग आश्रम, उदयपुर ने अपनाया है। तारा संस्थान ने चयनिका की शिक्षा सुचारु रखने की भावना से इसके विद्यालय में प्रवेश व मासिक शिक्षण शुल्क की व्यवस्था की है। वह उदयपुर स्थित विद्या भवन पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 की छात्रा है। तारा संस्थान की सोच है कि ऐसे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रात्साहन देकर समाज में अच्छे नागरिक तैयार किये जा सकते हैं।

धीरज मगरुण्डिया के पिता श्री शम्भू सिंह की आर्थिक स्थिति कमजोर है। माता निकटवर्ती एक निजी कॉलेज में खाना बनाने का काम करके परिवार चलाने में सहयोग कर रही है। उदयपुर जिले के थूर गाँव में पिता किराणा की दुकान में काम करते है। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण अच्छे अंकों से कक्षा XI उत्तीर्ण करने पर भी धीरज की आगे की पढ़ाई में अनिश्चिनता आगई थी। तारा ने आर्थिक सहायता उपलब्ध करवा कर उसकी कक्षा XII में प्रवेश की व्यवस्था सुनिश्चित की है। धीरज उदयपुर (फतेहपुरा) स्थित आलोक सीनियर सेकण्डरी विद्यालय में अध्ययन कर रहा है।

सेवा प्रकल्पों के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से तारा संस्थान ने शाखाएँ एवम् आश्रम स्थापित किये हैं। सेवा - प्रकल्प और दान-सहयोग सम्बन्धी जानकारी के लिए आप अपने निकटवर्ती क्षेत्र में स्थित आश्रम या शाखा से सम्पर्क कर सकते हैं।

शाखाध्यक्ष

श्रीमान् एस.एन. शर्मा मुम्बई (महा.) मो. : 9869686830	श्रीमान् विष्णु शरण जी सक्सेना भोपाल (म.प्र.) मो. : 9425050136	श्रीमान् प्रेम कुमार जी माटा बांसवाड़ा (राज.) मो. : 9414101236	श्रीमान् इन्द्रजीत जी टांक मेडता सिटी, नागौर मो. : 9928384025	श्रीमान् नवल किशोर जी गुप्ता फरीदाबाद (हरियाणा) मो. : 9873722657
श्रीमान् प्रहलाद राय जी सिंघानिया हैदराबाद (आ.प्र.) मो. : 9849019051	श्रीमान् अनिरुद्ध जी धुपकर उज्जैन (म.प्र.) मो. : 9993071937	प्रभा जी झंवर अमरावती मो. : 9823066500	श्रीमान् सुरेश जी चौधरी श्यामगढ़ (म.प्र.) मो. : 9926506323	श्रीमान् पवन सुरेका जी मधुबनी (बिहार) मो. : 9430085130

आश्रम

तारा संस्थान ए-44, संजय ग्राम, राजीव नगर, गुड़गाँव श्री कमलेश जोशी मो. 8285240611	तारा संस्थान 2/ए, महेन्द्र अपार्टमेन्ट, राजेन्द्र नगर, बोरीवली (ई.) मुम्बई श्री बंशीलाल मो. 9699257035	तारा संस्थान मकान नं. - 5646, रजत पाठ, मानसरोवर, जयपुर श्री धीरज मो. 9636150577	तारा संस्थान आर.जेड., 2 फ्लोर, प्रेम नगर, उत्तम नगर पश्चिम, दिल्ली - 59 श्री अमित शर्मा मो. 9999071302

तारा संस्थान सेवा प्रकल्प दान सहयोग प्रायोजना

1. नेत्र - परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन - चयन शिविर

आजीवन विशिष्ट संरक्षक - सहयोग राशि - 1,51,000/- रु.

दानवीर भामाशाह 1,51,000/- रु. दान-सहयोग देकर तारा संस्थान के आजीवन संरक्षक बने रहेंगे।

आपके इस दान सहयोग की राशि से :-

1.) एक नेत्र - परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच शिविर का आयोजन व्यय : 71000/- रु.
2.) शिविर में चयनित 10 रोगियों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन व्यय, अथवा : 30000/- रु.
   6 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (18000/- रु.) व एक निर्धन विधवा महिला
   को प्रतिमाह 1000/- रु. एक वर्ष तक आर्थिक सहयोग (12000/- रु.) : 30000/- रु.
3.) शेष 50000 रु. संचित निधि में, जिस पर प्राप्त वार्षिक ब्याज (6000/-रु.) से प्रतिवर्ष आप द्वारा चाही गई तारीख को 2 रोगियों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन।
4.) शिविर में दान-सहयोग सौजन्य के उल्लेख सहित आपके नाम का बैनर, शिविर गति-विधियाँ, ऑपरेशन से लाभान्वित रोगी बन्धुओं तथा विधवा सहायता राशि से लाभान्वित महिलाओं के फोटोग्राफ्स, नाम पते आदि विवरण ''तारांशु'' में प्रकाशित किये जाएंगे, आपको प्रेषित किये जाएंगे।

2. नेत्र परीक्षण - मोतियाबिन्द जाँच - चयन शिविर सौजन्यकर्त्ता दान-सहयोग राशि : 71000/- रु.

आपकी इस 71000/- रु. सहयोग राशि से दूरस्थ - ग्रामीण या आदिवासी बहुल क्षेत्र में आयोजित।

शिविर में असहाय, वृद्ध, विकलांग भाई-बहनों का नेत्र विशेषज्ञ द्वारा नेत्र परीक्षण, मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन के लिए चयन किया जाएगा।

शिविर में सौजन्य का उल्लेख करते हुए आपके नाम का बैनर लगाया जाएगा, शिविर की प्रमुख गतिविधियों के फोटोग्राफ्स आपको प्रेषित किये जाएंगे तथा इन्हें 'तारा संस्थान 'के मुखपत्र 'तारांशु' में प्रकाशित किये जाएँगा।

जाँच, ऑपरेशन चयन (एक शिविर) चश्मा जाँच, चश्मा वितरण - दवाइयाँ - सहयोग राशि 21000/-
सहयोग के लिए आपका नाम तारांशु में प्रकाशित किया जायेगा।

आजीवन संरक्षक - सहयोग राशि (संचितनिधि में) - 21000 रु.
आजीवन सदस्य - सहयोग राशि (संचितनिधि में) - 11000 रु.

संचितनिधि पर प्राप्त ब्याज राशि से मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए जाएंगे।

नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द जाँच, ऑपरेशन हेतु चयन
शिविर प्रस्ताव - व्यय विवरण (अनुमानित)

क्र. सं.	विवरण	राशि
1	प्रचार-प्रसार (जीप 7 दिन)	16800
2	प्रचार-प्रसार सामग्री -(होर्डिंग, बैनर, पेम्पलेट,अखबार विज्ञापन, फोटोग्राफी)	16200
3	जाँच परीक्षण- (डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ, सहायक का मानेदय, दवाइयाँ)	13000
4	चाय-नाश्ता एवं भोजन- (सभी रोगी, चिकित्सक, शिविर सहायक आदि)	8000
5	परिवहन - (चिकित्सा दल, शिविर सहायक, रोगी बन्धु)	15000
6	विविध (फोन, स्टेशनरी)	2000
	कुल योग	71000

☼ शिविर सौजन्य राशि : 71000 /-

☼ शिविर में चयनित सभी रोगियों के ऑपरेशन करवाने की पूर्ण जिम्मेदारी तारा संस्थान की रहेगी।

दानदाताओं के नाम - स्थान, आपके प्रति आभार -

दान-दाताओं से सादर अनुरोध है कि दान-सहयोग के साथ अपना फोटोग्राफ भी 'तारांशु' में प्रकाशनार्थ प्रेषित करते की कृपा करें।

आकोला : श्री लीलाधर जगजीवन, **बांदीकुई :** श्री चन्द्रकांता सोनी, **भीवानी :** श्री राममह जनगाडा, श्री दिलीप, श्री बिसन दिनदयाल, श्री राममाह जांगिड, श्री दिलीप, श्री बिशन दिनदयाल, **बुलढाणा :** श्री दीपक अग्रवाल, **दिल्ली :** श्री प्रेमचन्द गोयल, मित्र विहार महिला मण्डल, श्री वी. पी. मोंगिया, पलक क्रिएशन, मधु जी महाजन, श्री सुरेश चन्द शर्मा, श्री सुदेश दर्शन, वासु आशा रानी जी सेहगल, श्री रवीन्द्र कानोडिया, श्री सोहन लाल, श्री लाल, श्री विश्वनाथ शर्मा, श्री डी. पी. शर्मा, श्री एन. वी. जैन, श्री कृष्ण कपूर, उर्मीला देवी जी, श्री वी. पी. गुप्ता, दमयन्ती जी, श्री अमन गुप्ता, श्री मुरारी लाल शर्मा, जागवती देवी, लीलावती देवी जी, श्री नरेन्द्र प्रकाश, श्री उदय शंकर पाण्डेय, श्री रामचन्द्र गुप्ता, लक्ष्मी जी खन्ना, चन्द्रकला जी, श्री चन्द्रकांत शर्मा, महिला संकीर्तन मण्डल, श्री सुदेश मसवाह, श्रीमती कृष्णा देवी वशिष्ट, राजमयूर जी, श्री जगदीश अरोड़ा, श्री केवल कृष्ण, श्री डी. आर. चांवला, श्री एम. पी. गुप्ता, श्री दुष्यंत कुमार गुप्ता, किरण जी शर्मा, श्री रमेश पिपलेजा, श्री कृष्ण चन्द शर्मा, इन्द्रा जी सूद, श्री राज मलहन, श्री रविन्द्र , श्री रामकंवर गुप्ता, चम्पारानी जी, श्री ठाकुरमल सोनी, श्री रामकनवास गुप्ता, श्री एम. आर. सलूजा, कांता देवी जी, जगवती देवी जी, श्री भगवानदास वैष्णव, शारदा निकेतन रेजिडेन्टस वेलफेयर एसोसिएशन, स्व. श्रीमती प्रेमवती सिंघल, श्री बंशीधर, श्री शारदा मंदिर समिति, श्री बी. के. भाटिया, श्री रामकृष्ण सत्संग, श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता, श्री समता नारायण ट्रस्ट, श्री रामप्रकाश, श्री श्याम सुन्दर, **फरीदाबाद :** विमला जी खुराना, **फतेहाबाद :** श्री नरेन्द्र कुमार कुचाल, श्री हंसराज मेहता, श्री रवि वर्मा, श्री अशोक कुमार, श्री अजय कुमार, श्री कामेश्वर प्रसाद, श्री राजेन्द्र, **गौतम बुद्ध नगर :** श्री ए. के. गुप्ता, **गुड़गांव :** श्री बलवान सिंह जी, जैन महिला मण्डल, श्री कबूल सिंह जी, श्री मधुर गोयल, श्री कमलेश ओझा, श्री संदीप सिंघल, मास्टर वात्सल जैन, लतारतन जी, भगवान देवी जी शर्मा, जैन महिला मण्डल, श्री एच. आर. कुमार, श्री रमेश कुमार, श्री दुलीचन्द यादव, श्री सुरेश कुमार, श्री विमल कीर्तन मण्डली, श्री कबुल सिंह नर्बदा झाड सा., श्री प्रताप सिंह, श्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल, **हैदराबाद :** श्री सुनिल एस. भागचन्दानी, **जम्मू :** श्री जवाहर लाल वजीर पण्डिता, **जालंधर :** श्री सत्यकुमार, स्वर्ण देवी जी गुप्ता, श्री हरिश जी साहनी **कोटा :** श्रीमती विजय लक्ष्मी कालिया, श्रीमती स्नेहलता तेलंगा, श्री भीम सेन, कुमारी यशोदा रानी, श्रीमती पुष्पा देवी गौतम, श्री सूरज गुप्ता, श्री राम स्वरूप, श्री रघुराज सिंह, श्री कुंज बिहारी गुप्ता, श्री विमलेश गुप्ता, **मालेगांव :** श्री महावीर प्रसाद मोहता, श्री ताराचन्द अग्रवाल, श्री के. एच. पटेल, श्री मिलिन्द पंवार, श्री सतीश अग्रवाल, श्री तुलसी राम पाटोदिया, श्री मोहन लाल गिरधानी लाल बाहेती, श्री शिवशंकर मुन्दड़ा, श्री मोहन लाल झंवर, श्री अनुष्का तापड़िया, **मुम्बई :** श्रीमती सीमा सचदेवा, स्व. श्रीमती गंगा देवी दुलानी, शांति ताराचंद जी, श्रीराय चंद टेम्बले, **नासिक :** श्री दिलीप नारायण, हिन्दू सेवा मण्डल, श्री टी. एन. अग्रवाल एण्ड कम्पनी, श्री गोपाल राम कुमावत, श्री कृष्ण भगवान, श्री दिलीप नारायण, श्री एन. जी. गुलाटी, नीता जी सेठी, शशी आनंदजी, शशी कृत जी, शोभ दापर, विद्यावती बालकृष्ण नाराण, श्री प्रेमराज जाखोटिया, श्री धनराज लाखोटिया, श्री पवन चांदवानी, श्री जी बाऊ सानोने, श्री संदीप गुलाटी, श्री अशोक रावल, पदमाकैला जी, श्री बोम्बे ट्रेडर्स (श्री मोहन लाल जी), सुनीता जी, उषा जी चौपड़ा (महिला मण्डल), शोभा जी कासत, **नई दिल्ली :** श्री वरीतालू रचित कोण्डा, श्री सोहन लाल कालरा, श्री धर्मपाल, **नोएडा :** श्री दीनदयाल राम, मोनिका जी अग्रवाल, महिला कीर्तन मण्डली, सीमा पुरी जी, उर्मीला जी कानोडिया, **वडोदरा :** पुष्पा आर. कुमार -

क्रमश : अगले अंक में

श्री विनोद कुमार जायसवाल
कोलकाता

श्री अभय कुमार चौधरी
कोलकाता

श्री शंभू लाल जोशी
काशीपुरी, भीलवाड़ा

श्रीमती रमा बंसल,
सिरसा

श्री राजेन्द्र जोशी
उमेदपुर

श्रीमती गौरी देवी
नागपुर

श्री तरमेस जी गर्ग
कैथल (हरियाणा)

श्री अमित कुमार लूणिया
कोलकाता

श्री बिमल कुमार झुंझनूवाला
कोलकाता

स्व. जमन लाल गोयनका
आकोला

श्रीमती सुहासनी गोयनका
आकोला

श्रीमती रघुनन्द जी
भण्डारा

श्रीमती पूरण देवी एवं श्री अर्जुन दास मेहता
हिसार (हरियाणा)

तारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों की सराहना

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सीकर

क्रमांक MRHP/DRHS/2011/734 दिनांक 9 जून, 2011

कल्पना गोयल,
संस्थापक एवं अध्यक्ष,
तारा संस्थान,
240–ए, सेक्टर 6,
हिरण मगरी, उदयपुर–313002
(राजस्थान)

महोदया,

आपकी संस्था ने मोतियाबिन्द से पीड़ित निर्धन व असहाय लोगों को नेत्र ज्योति प्रदान करने का जो पुण्य सेवा कार्य प्रारम्भ कर रखा है। इसी क्रम में 29 मई, 2011 को सामुदायिक भवन, शिवसिंहपुरा में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह खुशी की बात है कि इस शिविर में 148 रोगियों की जाँच कर 38 का मोतियबिन्द ऑपरेशन किया गया तथा 21 रोगियों का चश्मों के लिए चयन किया गया। इस आशय का पत्र आपके द्वारा श्रीमान जिला कलक्टर महोदय, सीकर को प्रस्तुत किया गया है।

अतः मेरा आग्रह है कि जिले में आपकी संस्था द्वारा जिला स्तर पर एक विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया जाए तथा जिले के आठों ब्लॉक मुख्यालयों पर भी शिविर लगाने का कार्यक्रम निर्धारित किया जाए। इस विशाल शिविर के आयोजन एवं तिथि निर्धारण में इतना अन्तराल अवश्य रखा जाए कि आप और हम मिलकर इसका व्यापक प्रचार–प्रसार कर सकें। मुझे विश्वास है कि आप जिलें में अपनी संस्था की सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था करेंगे।

भवदीय,

(डॉ. बी.एल. सैनी)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
सीकर

सीकर शिविर में जिलाधीश महोदय श्री धर्मेन्द्र भटनागर का
सम्मान एवं रोगी बन्धुओं का पंजीकरण

'तारांशु' (हिन्दी मासिक) अक्टूबर, 2011, स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक कल्पना गोयल के लिए न्यू ट्रेक प्रेस, उदयपुर में मुद्रित

ये हैं मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए दान सहयोग की प्रतीक्षा करते सैकड़ों में से कुछ चेहरे.....

कृपया उदारता से इनके मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु दान-सहयोग करके
इन्हें दृष्टि - लाभ का उपहार देकर पुण्यभागी बनें

मोतियाबिन्द ग्रस्त इन रोगियों का 'तारा संस्थान' द्वारा दूरस्थ आदिवासी ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच शिविरों में चयन किया गया है। तारा संस्थान नेत्र चिकित्सालयों में ले जा कर कुशल चिकित्सकों से इनके मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाएगा।

मोतियाबिन्द - ऑपरेशन सहयोग राशि

09 मोतियाबिन्द ऑपरेशन - सहयोग राशि	: 27000/-	03 मोतियाबिन्द ऑपरेशन - सहयोग राशि	: 9000/-
07 मोतियाबिन्द ऑपरेशन - सहयोग राशि	: 21000/-	02 मोतियाबिन्द ऑपरेशन - सहयोग राशि	: 6000/-
05 मोतियाबिन्द ऑपरेशन - सहयोग राशि	: 15000/-	01 मोतियाबिन्द ऑपरेशन - सहयोग राशि	: 3000/-

आपके दान - सहयोग से लाभान्वित रोगियों के फोटो, नाम, पता आदि का विवरण आपको प्रेषित किया जायेगा।

आयकर में छूट

तारा संस्थान को दिया गया दान सहयोग आयकर आयुक्त, उदयपुर के आदेश क्रमांक - 2011-15/590 दिनांक 24.05.2011 द्वारा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80जी के अधीन दिनांक 08.02.2011 से आयकर छूट योग्य मान्य है।

निवेदन

कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करते का कष्ट करें,

अथवा

अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर पे-इन-स्लिप अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965 SBI A/c No. 31840870750 HDFC A/c No. 12731450000426

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारा संस्थान

236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी,
उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com,
tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org

बुक पोस्ट